website : khabarplatform.in

RNI MPHIN /2023/ 90851

खबर प्लेटफार्म

वर्ष 03 अंक 35 | जबलपुर, सोमवार 26 जनवरी से रविवार 01 फरवरी 2026 | संजय सागर सेन-प्रधान सम्पादक | हिन्दी साप्ताहिक | मूल्य 01 रुपये | पृष्ठ-4

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ता है गणतंत्र दिवस

नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस का पावन पर्व हमें हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य में देश की दशा और दिशा का अवलोकन करने का अवसर देता है। स्वतंत्रता संग्राम के बल पर 15 अगस्त 1947 के दिन हमारे देश की दशा बदली। भारत स्वाधीन हुआ और हम अपनी राष्ट्रीय नियति के निर्माता बने।

राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं- 26 जनवरी 1950 से हमने अपने गणतंत्र को संवैधानिक आदर्शों की दिशा में आगे बढ़ाना प्रारंभ किया। इसी दिन हमारा संविधान पूरी तरह लागू हुआ। लोकतंत्र की जननी भारत भूमि उपनिवेशवादी शासन के विधि-विधान से मुक्त हुई और हमारा लोकतांत्रिक गणराज्य अस्तित्व में आया। हमारा संविधान विश्व इतिहास के सबसे बड़े लोकतांत्रिक गणराज्य का आधार ग्रंथ है। संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्श हमारे गणतंत्र को परिभाषित करते हैं। यही आदर्श संविधान निर्माताओं की

भावना और देश की एकता का मजबूत आधार हैं। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती देशवासियों ने उत्साहपूर्वक मनाई। उनकी 150वीं जयंती के पावन अवसर से जुड़े स्मरणोत्सव आज भी मनाए जा रहे हैं। ऐसे उत्सव देशवासियों में राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत करते हैं। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक हमारी प्राचीन सांस्कृतिक एकता का ताना-बाना हमारे पूर्वजों ने बुना है। यही सांस्कृतिक एकता आज भी हमारे लोकतंत्र को जीवंत बनाए हुए है और प्रत्येक भारतीय को जोड़ती है।

महिलाओं का सशक्तिकरण

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं के सशक्तिकरण को देश के सर्वांगीण विकास में एक महत्वपूर्ण स्तम्भ के रूप में मान्यता दी है। उन्होंने यह साफ किया है कि हमारी बहनें और बेटियां परंपरागत रूढ़ियों को तोड़ते हुए हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। देश में दस करोड़ से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने विकास की नई परिभाषा लिखी है, जो यह दिखाता है कि महिलाएं अब खेती-किसानी से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक, स्व-रोजगार से लेकर सुरक्षा बलों तक हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने विशेष रूप से खेल क्षेत्र में महिलाओं की उपलब्धियों को रेखांकित किया है। विश्व स्तर पर हमारी बेटियों ने क्रिकेट और शतरंज जैसे खेलों में नए मानदंड स्थापित किए हैं। पिछले साल नवंबर में, भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप और ब्लाइंड महिला टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचा। साथ ही, शतरंज विश्व कप के फाइनल मुकाबले में भी भारत की दो बेटियों ने प्रतिस्पर्धा की, जो खेल जगत में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का प्रमाण है।

दूषित पानी से कांग्रेस के वार्ड अध्यक्ष की मौत

इंदौर। इंदौर में दूषित पानी से 28वीं मौत हुई है। भागीरथपुरा निवासी रिटायर्ड शिक्षक राजाराम बौरासी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बौरासी कांग्रेस के वार्ड अध्यक्ष भी थे। परिजन ने बताया कि राजाराम बौरासी को शुक्रवार को उल्टी-दस्त की शिकायत हुई थी। हालत बिगड़ने पर पहले स्थानीय डॉक्टर को दिखाया गया, लेकिन आराम नहीं मिला। इसके बाद शनिवार सुबह उन्हें सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रविवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उधर, स्वास्थ्य विभाग ने कहा- 2018-19 की एंजियोग्राफी रिपोर्ट के अनुसार राजाराम बौरासी हृदय रोग से पीड़ित थे। उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की समस्या भी थी। उपलब्ध चिकित्सकीय दस्तावेजों में उल्टी-दस्त की पुष्टि नहीं होती है। फिलहाल, दूषित पानी से बीमार 10 लोग सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से 4 आईसीयू में हैं।

महिला स्वरोजगार की दर में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी

प्रधानमंत्री ने युवाओं को 61 हजार जॉब लेटर बांटे

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली 18वें रोजगार मेले में युवाओं को 61 हजार जॉब लेटर बांटे। ये नियुक्ति गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों में की गई है। रोजगार मेले का आयोजन देश के 45 जगहों पर किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने वर्चुअली संबोधन में कहा कि युवाओं को नए अवसर मिलें, ये हमारा प्रयास है। देशभर के स्टार्टअप में महिलाएं आगे हैं। कई स्टार्टअप में तो वे हेड हैं। महिला स्वरोजगार की दर में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछला रोजगार मेला 24 अक्टूबर 2025 को आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। अब तक 11 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकारी भर्तियों को भी कैसे मिशन मोड पर किया जाए इसलिए रोजगार मेले की शुरुआत की गई। रोजगार मेला एक इंस्टिट्यूशन बन गया है। भारत की युवा शक्ति के लिए नए अवसर बने ये हमारा प्रयास है। हम

कई ट्रेड एग्रीमेंट कर रहे हैं। इससे अनेकों अवसर आने वाले हैं।

भारत पर दुनिया को भरोसा

प्रधानमंत्री ने कहा- भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का दायरा बढ़ रहा है। देश में दो लाख रजिस्टर्ड स्टार्टअप में 21 लाख युवा काम कर रहे हैं। भारत की इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही है। आज भारत पर जिस तरह दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है इससे अनेकों संभावनाएं पैदा हो रही हैं।

तमिलनाडु में हिंदी के लिए कोई जगह नहीं : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम के स्टालिन ने तमिल भाषा शहीद दिवस पर राज्य के भाषा शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यहां हिंदी के लिए कभी भी कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा कि हम इसे थोपने का हमेशा विरोध करेंगे। तमिल भाषा के लिए हमारा प्यार कभी नहीं मरेगा। स्टालिन ने कहा कि जब भी हिंदी को हम पर थोपा गया, इसका उसी तेजी से विरोध भी किया गया। सीएम ने कहा कि मैं उन शहीदों को कृतज्ञतापूर्वक सम्मान देता हूं जिन्होंने तमिल के लिए अपनी कीमती जान दे दी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बड़ा हमला

वोट चोरी की साजिश में सहभागी है चुनाव आयोग

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुजरात में जारी एसआईआर को लेकर एक डाटा शेयर करते हुए चुनाव आयोग और बीजेपी पर बड़ा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात में सुनियोजित, संगठित और रणनीतिक तरीके से वोट काटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अब लोकतंत्र का रक्षक नहीं, वोट चोरी की साजिश में मुख्य सहभागी बन गया है। एसआईआर को एक व्यक्ति, एक वोट के संवैधानिक अधिकार को खत्म करने के हथियार में बदल दिया गया है- ताकि जनता नहीं, भाजपा तय करे कि सत्ता में कौन रहेगा।

राहुल गांधी ने एक्स पर गुजरात कांग्रेस कमेटी के एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए दावा किया कि जहां-जहां एसआईआर, वहां-वहां वोट चोरी हो रही है। उन्होंने दावा किया कि सबसे चौंकाने वाली और खतरनाक बात यह है कि एक ही नाम से हजारों-हजार आपत्तियां दर्ज की गईं। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि गुजरात में एसआईआर के नाम पर जो कुछ किया जा रहा है, वह किसी भी तरह की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है- यह सुनियोजित, संगठित और रणनीतिक वोट चोरी है। सबसे चौंकाने वाली और खतरनाक बात यह है कि एक ही नाम से हजारों-हजार आपत्तियां दर्ज की गईं। चुन-चुनकर खास वर्गों और कांग्रेस समर्थक बूथों के वोट काटे गए।

हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने की सीढ़ी नहीं : सीजेआई

मुंबई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कहा कि हाइकोर्ट सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने की सिर्फ सीढ़ियां नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे आम नागरिक के हितों की रक्षा करने वाले पहले प्रहरी हैं। उन्होंने आगे कहा कि वो अदालत ही है जो एक नवजात की भी चीख सुनती है और उसके हित के लिए कर्रवाई कर सकती है। चीफ जस्टिस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आखिरी हो सकता है, लेकिन हाइकोर्ट का फैसला अक्सर सबसे ज्यादा जरूरी होता है। सीजेआई ने ये बातें मुंबई में कहीं।

जहरीला इंजेक्शन देकर 300 कुत्तों की हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना के जगतियाल जिले के पेगडापल्ली गांव में 300 आवारा कुत्तों की जहरीला इंजेक्शन देकर हत्या कर दी गई। एक एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट के दावे के मुताबिक गांव के सरपंच ने दिसंबर में हुए चुनाव में जनता से कुत्तों से छुटकारा दिलाने का वादा किया था। मामले में बीएनएस और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

जजों को अपनी शपथ पर कायम रहना चाहिए : जस्टिस भुइयां

बोले- सरकार के खिलाफ फैसला देने पर जज का ट्रांसफर ठीक नहीं

नई दिल्ली

हाई कोर्ट जजों के तबादले को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज जस्टिस उज्वल भुइयां ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के कार्यकाल में लिए गए एक कॉलेजियम फैसले पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कॉलेजियम सिस्टम में कार्यपालिका के दखल को लेकर खुली आलोचना की है। मामला मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जज जस्टिस अतुल श्रीधरन के तबादले से जुड़ा है, जिन्हें एमपी हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट ट्रांसफर किया गया। इस फैसले पर तब विवाद बढ़ा, जब पूर्व सीजेआई बीआर गवई ने यह कहा था कि जस्टिस श्रीधरन का तबादला केंद्र सरकार के अनुरोध पर किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इसे कॉलेजियम फैसलों में सरकार के प्रभाव की साफ स्वीकारोक्ति बताया। जस्टिस भुइयां ने सवाल उठाया कि किसी जज को सिर्फ इसलिए एक हाई कोर्ट से दूसरे हाई कोर्ट क्यों भेजा जाए, क्योंकि उसने सरकार के लिए असुविधाजनक फैसले सुनाए हों। उन्होंने कहा कि क्या इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता प्रभावित नहीं होती और क्या इससे कॉलेजियम सिस्टम की निष्पक्षता और साख पर सवाल नहीं खड़े होते। उन्होंने कहा कि जब कॉलेजियम अपने ही प्रस्ताव में यह दर्ज करता है कि किसी जज का तबादला केंद्र सरकार के कहने पर किया गया, तो यह संवैधानिक रूप से स्वतंत्र मानी जाने वाली प्रक्रिया में कार्यपालिका के दखल को उजागर करता है। जस्टिस भुइयां ने साफ कहा कि हाई कोर्ट जजों के तबादले और पोस्टिंग पूरी तरह न्यायपालिका का विषय है और इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं हो सकती। यह केवल न्याय के बेहतर प्रशासन के लिए होना चाहिए।

शपथ पर कायम रहें जज

पुणे के आईएलएस लॉ कॉलेज में आयोजित जीवी पंडित मेमोरियल लेक्चर में बोलते हुए जस्टिस भुइयां ने कहा कि एनजेएसी फैसले के जरिए जब न्यायपालिका ने सरकार की कॉलेजियम सिस्टम को बदलने की कोशिश को खारिज कर दिया है, तब कॉलेजियम के सदस्यों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र रहे। उन्होंने कहा कि जजों ने संविधान को बिना डर और पक्षपात के निभाने की शपथ ली है और उन्हें उस शपथ पर कायम रहना चाहिए।

पहले से तय ना हो फैसला

उन्होंने यह भी कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता संविधान की मूल विशेषता है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। जस्टिस भुइयां ने कहा कि जज भी इंसान होते हैं और उनकी अपनी वैचारिक सोच हो सकती है, लेकिन वह सोच उनके फैसलों को प्रभावित नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी मामले में फैसला पहले से तय माना जाने लगे, तो यह न्यायपालिका के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

खबर प्लेटफार्म

संजय सागर सेन-प्रधान सम्पादक

737 गुप्ता कॉलोनी, गढ़ा फाटक कस्तूरबा गांधी वार्ड, जबलपुर म.प्र.

Email.sanjayssagar20@gmail.com

मो. : 9425867695, 6232060720

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

शंकर दासवानी
अनिल दासवानी
वंशुल दासवानी
शिवांश दासवानी

Mobile No.
9827067060
8889668866
8889667766
8889664466

विनोद मेडिकोज़

- होम डिलेवरी की सुविधा उचित डिस्काउंट के साथ उपलब्ध है।
- सभी प्रकार की ओरिजनल दवाईयाँ उचित मूल्य एवं डिस्काउंट के साथ उपलब्ध है।
- सभी प्रकार के ग्यूकोमीटर (शुगर चैक करने की मशीन) और ब्लड प्रेशर चैक करने की मशीन उपलब्ध।

524/5, मढ़ाताल गुरूद्वारा, जबलपुर

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

Authorised Channel Partner

Action TESA KOI NAHI AISA | Action TESA HDHMR | Action TESA Boilo BOILING WATER PROOF HDF BOARD

M/s M.R. Plyecore Lip

Inside Rajul Complex Aaga Chock
Kasturba Gandhi Ward jabalpur
482001, Madhya Pradesh
Mob. : 8989127333
Customer Care : 18003090707
www.actiontes.com

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

गुल्लू बेकर्स एण्ड स्वीट्स

कोहीनूर टॉवर के सामने, बड़ी ओमती, जबलपुर (म.प्र.)

फोन : 0761-4003999, मो. 7804050505

संजय शूज

SANJAY SHOES

Ganjipura Chowk, Jabalpur
91318 41474

संपादकीय

ट्रंप के चापलूसों का बोर्ड

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) की स्थापना का प्रयास किया है, उसमें अभी तक वे 19 देश शामिल हुए हैं, जो अमरीका की चापलूसी करने को बाध्य हैं। अलग-अलग कारणों से अमरीका के मोहताज हैं। अमरीका ही उन्हें सुरक्षा की गारंटी देता है और वह ही आर्थिक मदद करता है। उन 19 में से 12 देश इस्लामिक हैं। उनमें पाकिस्तान ने भी 'शांति बोर्ड' की सदस्यता के लिए दस्तखत किए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जब प्रारूप पर दस्तखत किए, तो सीडीएफ आसिम मुनीर भी सामने बैठे थे। अब इस फैसले के खिलाफ पाकिस्तान में 'जेहाद' के नारे बुलंद किए जा रहे हैं। इसके कुछ खास कारण हैं। पाकिस्तान अभी तक इजरायल को एक देश के तौर पर मान्यता नहीं देता। वह फिलिस्तीन का समर्थक रहा है, लेकिन अब पाकिस्तान के 4000 फौजियों को गाजा क्षेत्र में इजरायल सेना के नेतृत्व में काम करना पड़ेगा। ट्रिगर इजरायल के हाथ में होगा और लडने-मरने वाले मुस्लिम फौजी होंगे। पाकिस्तान के मुस्लिम फौजियों को फिलिस्तीन, गाजा, हमास के मुसलमानों पर ही गोली चलानी पड़ेगी। जाहिर है कि मुसलमान ही मुसलमान का कत्ल करेगा! अहम और बुनियादी कारण यह है कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद को विश्वास में क्यों नहीं लिया? संसद की इजाजत के बिना इतना अहम फैसला कैसे ले लिया गया कि पाकिस्तान के 4000 फौजी गाजा में सक्रिय रहेंगे। उन्हें जो 1000 डॉलर प्रति का मेहनताना मिलेगा, वह 40 लाख डॉलर की राशि सीडीएफ आसिम मुनीर हासिल करेगा। फौजियों को जो देना होगा, वह हुकूमत तय करेगी। फौजी की मौत के बाद पर्याप्त मुआवजा और सम्मान राशि कितनी होगी और कौन देगा, यह अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। उस पर भी मुनीर की 'डकैत निगाहें' होंगी! पाकिस्तान में कट्टरपंथी जमात इसे 'इस्लाम-विरोधी' और 'अल्लाह-विरोधी' फैसला करार दे रही है।

खासकर सीडीएफ मुनीर के खिलाफ फतवे जारी किए जा रहे हैं। अवाम का मानना है कि शहबाज-मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रंप के सामने दंडवत आत्मसमर्पण कर दिया है, क्योंकि पाकिस्तान को पैसा चाहिए। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे मुस्लिम देशों ने पाकिस्तान को कर्ज देने से इंकार कर दिया है। चीन अपने उधार दिए गए कर्ज को वापस मांग रहा है। यदि आईएमएफ और विश्व बैंक से आर्थिक पैकेज की अपेक्षा करनी है, तो अमरीका ही एकमात्र सहारा है। राष्ट्रपति ट्रंप के इशारे पर ही पाकिस्तान को नया कर्ज मिल सकता है। पाकिस्तान पर फिलहाल 130 अरब डॉलर के करीब का कर्ज है। पाकिस्तान के हरेक नागरिक पर औसतन 3,63,831 पाक रुपए का कर्ज है। करीब 60 फीसदी अवाम गरीबी-रेखा के नीचे जीने को विवश है। भारत से करीब 25 गुना अधिक महंगाई पाकिस्तान में है। अवाम में जेहाद के नारों के साथ 'मुनीर की वर्दी उतारने' के नारे भी गूंज रहे हैं। 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' सरीखा संगठन भडक़ उठा है और आत्मघाती हमलों की धमकियां दे रहा है। फिलहाल 'शांति बोर्ड' की सदस्यता निशुल्क है, लेकिन स्थायी सदस्यता के लिए 1 अरब डॉलर की फीस अदा करनी होगी।

भारत की सड़कें, प्रशासनिक लापरवाही और जवाबदेही का संकट, विकसित भारत 2047 के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी, गोंदिया महाराष्ट्र

भारत में सड़कों पर गड्ढों, खुले मैनहोल, निर्माण सामग्री के बेतरतीब ढेर,अधूरे अंडर- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स और प्रशासनिक उदासीनता के कारण हर वर्ष हजारों लोग जान गंवा रहे हैं या स्थायी रूप से अपंग हो रहे हैं।

क्या अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही की सजा केवल जांच और मुआवजे तक सीमित रहेगी? -आंखों पर परसेंट का कवर कब उतरेगा?-आम जनता अब समझते जा रही है

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत आज स्वयं को 21वीं सदी की उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे, शासन क्षमता, नागरिक सुरक्षा और जीवन गुणवत्ता में आमूलचूल परिवर्तन का वादा है।लेकिन इसी भारत में सड़कों पर गड्ढों, खुले मैनहोल, निर्माण सामग्री के बेतरतीब ढेर,अधूरे अंडर- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स और प्रशासनिक उदासीनता के कारण हर वर्ष हजारों लोग जान गंवा रहे हैं या स्थायी रूप से अपंग हो रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि यह विडंबना नहीं,बल्कि एक संरचनात्मक विफ़लता है, इसमें माननीय नेताओं की समय समय पर विपक्ष पर की जा रही टांटिंग बाज़ी 10 से 50 प्रतिशत वाला मामला अधिकारियों कर्मचारियों संबंधित लाइसेंसिंग अथारिटी द्वारा आंख मूंद कर बैठना आंखों पर परसेंट का कवर चढ़ा देना अब आम जनता आप समझते जा रही है जो, भारत की विकास यात्रा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।नोएडा में 27 वर्षीय इंजीनियर युवराज मेहता की गड्ढे में गाड़ी फंसने से हुई दर्दनाक मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया।सोशल मीडिया पर यह मामला ट्रेंड कर रहा है, क्योंकि यह किसी प्राकृतिक आपदा का नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही का परिणाम था। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर नागरिकों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या टैक्स देने वाले नागरिकों की जान की कोई कीमत नहीं है?क्या अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही की सज़ा केवल जांच और मुआवजे तक सीमित रहेगी?यह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की विफलता का प्रतीक बन गई।अभी दो दिवस पूर्व हमारे गोंदिया राइस सिटी में भी रोड़ों पर हुए गड्ढों से परेशान लोगों ने भीख मांगो एक रैली निकाली जिसमें आम जनता से पैसे लेकर नगर परिषद को देने की बात कही गई ताकि वह गड्ढों को बुझा सके छत्तीसगढ़ की भाटापारासिटी में भी हमारे रिश्तेदार रोड पर पड़े गड्ढे के कारण एक्टिवा से गिर पड़े और करीब एक माह तक अस्पताल में भर्ती रहे बड़ी मुश्किल से बहुत महंगा ट्रीटमेंट करने के बाद उनकी जान बची।

साथियों बात अगर हम भारत में सड़कों की खराब स्थिति एक संरचनात्मक संकट इसको समझने की करें तो भारत का सड़क नेटवर्क विश्व में दूसरा सबसे बड़ा है, जिसकी लंबाई 63 लाख किलोमीटर से अधिक है। इसके बावजूद सड़क सुरक्षा, गुणवत्ता और रखरखाव के मामले में भारत वैश्विक सूचकांकों में बेहद नीचे है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले में भारत लगातार विश्व में शीर्ष पर बना हुआ है।इनमें एक बड़ा कारण सड़कों की जर्जर स्थिति,गड्ढे,असमान सतह जलभराव और अवैज्ञानिक डिजाइन है।ग्रामीण भारत में स्थिति और भी भयावह है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के

बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़कें या तो जर्जर हैं या समय पर मरम्मत के अभाव में जानलेवा बन चुकी हैं। बरसात के मौसम में गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। पुरानी शहरी सड़कों पर नई पाइपलाइन, केबल और सीवेज के लिए की गई खुदाई महीनों तक खुली रहती है, और मरम्मत केवल कागज़ों में सटीक रूप से पूरी होती है।

साथियों बात अगर हम निर्माण मलबा और अंडर-कंस्ट्रक्शन अव्यवस्था कुछ समझने की करें तो,भारत के शहरों में अंडर- कंस्ट्रक्शन मकानों और इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का मलबा सड़कों पर पड़ा रहना आम बात हो गई है। नियमों के अनुसार निर्माण स्थल को सुरक्षित करना,चेतावनी संकेत लगाना और मलबा हटाना अनिवार्य है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर इन नियमों का खुलेआम उल्लंघन होता है। स्थानीय नगर निकाय, पुलिस और विकास प्राधिकरण एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर चुप्पी साध लेते हैं।आंखें और मुंह बंद व्यवस्था सड़क दुर्घटनाओं के बाद अक्सर देखा जाता है कि प्रशासनिक मशीनरी सक्रिय होने में घंटों लगा देती है। एम्बुलेंस की देरी, ट्रैफिक पुलिस की अनुपस्थिति,और अस्पतालों में इलाज में लापरवाही कई बार मौत को निश्चित बना देती है। यह केवल व्यक्तिगत असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि एक संस्थागत संस्कृति का परिणाम है, जहां जवाबदेही का अभाव है।निर्माण कार्यों की अनुमति देने वाले विभागों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है,लेकिन यही विभाग अक्सर सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हैं। सड़क खुदाई की अनुमति देने के बाद उसकी निगरानी नहीं होती कि गड्ढा समय पर भरा गया या नहीं, चेतावनी बोर्ड लगाए गए या नहीं। यह लापरवाही दुर्घटनाओं की श्रृंखला को जन्म देती है, जिसे लेखकीय रूप से प्रशासनिक लापरवाही का साइकिल कहा जा सकता है।

साथियों बात अगर हम विकसित भारत 2047 बनाम सड़क सुरक्षा की हकीकत इसको समझने की करें तो यह विकसित भारत 2047 की परिकल्पना में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर एक केंद्रीय स्तंभ है। सरकार ने भारतमाला, गतिक शक्ति, स्मार्ट सिटी मिशन और अमृत योजना जैसी कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरू की हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल नई सड़कों और एक्सप्रेसवे का निर्माण ही विकास है, या मौजूदा सड़कों की सुरक्षा और रखरखाव भी उतना ही आवश्यक है?सरकार ने हाल के वर्षों में पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ सड़क निर्माण के लिए बायो-बिटुमेन जैसी तकनीकों को बढ़ावा दिया है, जिसमें कृषि अपशिष्ट और जैविक सामग्री का उपयोग होता है। यह तकनीक सड़कों की उम्र बढ़ाने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और लागत घटाने में सहायक मानी जा रही है। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ गुणवत्ता नियंत्रण, पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए।

साथियों बात अगर हम कई मामलों में न्यायपालिकाओं की सख्त टिप्पणीयाँ विशेष रूप से बॉम्बे हाईकोर्ट का हस्तक्षेप रेखांकित करने वाली बात है, बॉम्बे हाईकोर्ट सहित कई न्यायालयों ने बार-बार नगर निकायों और राज्य सरकारों की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। अदालतों का स्पष्ट मत है कि गड्ढों और खुले मैनहोल से होने वाली मौतें दुर्घटना नहीं,बल्कि मानव निर्मित आपराधिक लापरवाही हैं।अदालत ने कहा कि जब तक अधिकारियों और ठेकेदारों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक स्थिति में कोई सुधार नहीं होगा। केवल मुआवजा देना पर्याप्त नहीं है;दोषियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई आवश्यक है। पीआईएल नंबर 71/2013,एक ऐतिहासिक मामला है।13 अक्टूबर 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट की दो सदस्य बेंच न्यायमूर्ति की खंडपीठ ने पीआईएल नंबर 71/2013 पर आदेश सुनाया था। यह जनहित याचिका 2013 में तत्कालीन न्यायमूर्ति के एक पत्र के आधारपर स्वत: संज्ञान (सुओ मोटो) लेकर दर्ज की गई थी।यह मामला इस बात का उदाहरण है कि समस्या कितनी पुरानी और गंभीर है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वर्षों की सुनवाई और निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है, जो प्रशासन की उदासीनता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

साथियों बात अगर हम इस भारतीय रोडो परगड्ढों की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य,में भारत की तुलना और सीख को समझने की करेंतो विकसित देशों में सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर भारत की तुलना में कहीं कम है। इसका कारण बेहतर डिजाइन,नियमित रखरखाव, सख्त जवाबदेही और त्वरित आपातकालीन सेवाएं हैं। भारत यदि वैश्विक शक्ति बनना चाहता है, तो उसे केवलआर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा के मानकों में भी वैश्विक स्तर अपनाने होंगे।

चेतना के पुष्पन और मां सरस्वती की आराधना का पर्व 'बसंत पंचमी'

पवन वर्मा

जब धरती के हृदय में शीत की निस्तब्धता पिघलने लगती है, जब वायु में मंद सुगंध घुल जाती है और जब पीले पुष्प दिशाओं को आलोकित करने लगते हैं, तब भारतीय चेतना में बसंत का आगमन होता है। यह वही समय है जब प्रकृति स्वयं को संवारती है और मानव मन भी भीतर से जागृत होने लगता है। इसी चेतना के उत्कर्ष का नाम है बसंत पंचमी।

यह पर्व केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत नहीं देता, बल्कि यह उस क्षण का स्मरण कराता है जब ज्ञान, वाणी और विवेक को सर्वोच्च स्थान दिया जाता है। बसंत पंचमी भारतीय परंपरा में ज्ञान की साधना, विद्या के आरंभ और आत्मिक शुद्धता का पवित्र अवसर है।

वैदिक दृष्टि में वसंत और ज्ञान का संबंध

वैदिक साहित्य में वसंत ऋतु को विशेष महत्ता प्राप्त है। वेदों में ऋतुओं को केवल मौसम नहीं, बल्कि सृष्टि के संतुलन का आधार माना गया है। वसंत को सृजन और चेतना की ऋतु कहा गया है। यजुर्वेद का प्रसिद्ध मंत्र वसंतो ब्राह्मणोऽस्य मुखम् इस बात को स्पष्ट करता है कि वसंत को ब्राह्मण अर्थात ज्ञान का मुख माना गया है।

मुख से वाणी का प्रवाह होता है और वाणी ही विद्या का माध्यम है। यही कारण है कि वसंत और सरस्वती का संबंध केवल परंपरा नहीं, बल्कि वैदिक दर्शन की स्वाभाविक परिणति है। अथर्ववेद में वाणी, मेधा और प्रज्ञा की स्तुति इस बात की पुष्टि करती है कि भारतीय संस्कृति में ज्ञान को दैवीय स्वरूप प्राप्त है।

पौराणिक मान्यताएँ और मां सरस्वती का प्राकट्य

पुराणों के अनुसार जब सृष्टि की रचना के उपरांत चारों ओर नीरवता व्याप्त थी, तब ब्रह्मा जी के आदेश से मां सरस्वती का प्राकट्य हुआ। उनके वीणा नाद से ध्वनि, भाषा और भाव का जन्म हुआ। सृष्टि को गति और अर्थ मिला।

मां सरस्वती को श्वेत वस्त्रधारिणी कहा गया है, क्योंकि वे शुद्धता और सात्त्विकता की अधिष्ठात्री हैं। वे केवल पुस्तकों

की देवी नहीं, बल्कि विवेक, संयम और संस्कार की शक्ति हैं। बसंत पंचमी का दिन उनके पूजन के लिए इसलिए चुना गया, क्योंकि यही वह समय है जब प्रकृति और चेतना दोनों अपने सबसे कोमल और निर्मल रूप में होते हैं।

सरस्वती पूजन की परंपरा और पीतवर्ण का आध्यात्म

बसंत पंचमी पर मां सरस्वती के पूजन में पीले रंग का विशेष महत्व है। पीतवर्ण वसंत ऋतु, ऊर्जा, समृद्धि और प्रज्ञा का प्रतीक माना जाता है। इस दिन मां सरस्वती को सरसों के फूल अर्पित किए जाते हैं। सरसों के ये पीले पुष्प खेतों, गांवों और जीवन में उल्लास का संदेश देते हैं।

पूजन के समय मां को मीठे पीले चावलों का भोग लगाया जाता है, जिसे परंपरागत रूप से केसरिया भात कहा जाता है। केसर या हल्दी से रंजित यह भोग केवल स्वाद का नहीं, बल्कि श्रद्धा और सात्त्विक भाव का प्रतीक है। यह भोग यह संकेत देता है कि ज्ञान का स्वरूप मधुर, पवित्र और प्रकाशमय होना चाहिए।

अक्षरारंभ संस्कार : शिक्षा की पवित्र शुरुआत

भारतीय परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार का साधन नहीं माना गया, बल्कि उसे संस्कारों से जोड़ा गया। बसंत पंचमी के दिन बच्चों का अक्षरारंभ संस्कार इसी भावना का प्रतीक है। इस दिन बच्चे को पहली बार अक्षर ज्ञान कराया जाता है।

गुरु, माता-पिता या परिवार का वरिष्ठ सदस्य बच्चे के हाथ से 'श्री' या वर्णमाला का प्रथम अक्षर लिखवाता है। यह क्षण केवल लेखन की शुरुआत नहीं, बल्कि जीवन भर चलने वाली ज्ञान यात्रा का शुभारंभ होता है। मां सरस्वती से यह प्रार्थना की जाती है कि बालक की बुद्धि निर्मल रहे और उसका ज्ञान लोककल्याण में लगे।

कला, संगीत और साधना का पर्व

बसंत पंचमी कलाकारों, संगीतज्ञों और साहित्यकारों के लिए विशेष महत्व रखती है। वीणा, पुस्तक, लेखनी और वाद्य यंत्रों का पूजन किया जाता है। यह परंपरा यह स्मरण कराती है कि कला और विद्या तभी फलदायी होती हैं, जब उनमें अहंकार नहीं, साधना होती है। भारतीय दर्शन में कला को आत्मा की अभिव्यक्ति माना गया है और बसंत पंचमी उसी अभिव्यक्ति का उत्सव है।

प्रकृति और आत्मा का संवाद

वसंत ऋतु में जैसे वृक्षों में नए पत्ते आते हैं, वैसे ही मानव जीवन में भी आशा और उत्साह का संचार होता है। खेतों में लहलहाती सरसों, आम की बौर और कोयल की मधुर कूक ये सभी प्रकृति के मंत्र हैं, जो मानव को भीतर से जागृत करते हैं। बसंत पंचमी इस संवाद को पहचानने का अवसर है। यह पर्व सिखाता है कि जैसे प्रकृति निरंतर नवसृजन करती है, वैसे ही मानव को भी अपने भीतर ज्ञान, विवेक और करुणा का विस्तार करना चाहिए।

दुनिया के मेले में खो गये

संजय जैन 'बीना' मुंबई

दुनिया के मेले में खो गये है खुदको भी अब पहचान नही पा रहे है। आत्मिता तो अब कही भी बची नही है सब के सब एकला चलो की चाल चल रहे है। किसी के पास भी समय नही है की दो बोल प्रेम भाव के अपने बड़े बूढ़ो से बैठकर बोल सके और न ही बच्चों को देख सकते है की क्या कर रहा है कैसे पढ़ा ई लिखाई उसकी चल रही है। क्या कर रहा है उससे कोई लेना देना नही। उसके लिए एक टूशन टीचर या कोचीन क्लास आदि लगा दी है और आधुनिक यंत्र आदि दिलवा दिया परंतु माँ बाप को अपने बच्चे को प्यार आदि देने का समय नही है। घर में आया लगा दी उसकी देख रेख के लिए डिब्बे का दूध और खाने को बाजारों चीजे उसके लिए रख दी। देखते देखते वो बड़ा हो जाता है कुछ समय उपरांत माँ बाप को दोस्त समझने लगता है और आगे की पढ़ाई के लिए बहार चला जाता है। एक बार बहार गया तो फिर वो कभी लौटकर नही आता फिर सिर्फ आप उसके माँ बाप कहने को होते है क्योंकि आगे के सारे निर्यण अब उसे स्वयं ही लेना है। यदि वो विदेश चला गया तो आप सारे रिश्तेदारों दोस्तो को उसकी कामयाबी के बारे में बड़ा चढ़ाकर बताओगे परंतु अंतरात्मा से यदि स्वयं महसूस करोगे तो खुद पर रोओंगे। क्योंकि आपको पता है की अब आगे क्या होने वाला है। आपको सिर्फ हर महीने कुछ बर्षो तक पैसे आपके खाते में आते रहेगे। परंतु दिल का सुकून आपको नही मिलेगा। ऐसे लगेगा की किराये की कोक से बच्चे को पैदा कर के उसे छोड़ दिया। न तो वो आपके दुख सुख मे शामिल है और न वो आपके दुख को महसूस कर रहा क्योंकि उसमें आत्मिता माँ बाप के लिए नही है। इसका कारण आपने उसे लाड़ प्यार नही दिया। अब वो आप से इतना दूर है की आप उसे कल्पनाओं में रहकर बात कर सकते हो। न उसे अपने कर्तव्य याद है और न आपको अपने पुत्र का मोह। बस यदि याद है तो सिर्फ पैसा पैसा और पैसा। इसकी पैसे के चक्कर में तुमने अपने माँ बाप को छोड़ था और उसी पैसे ने तुमसे तुम्हारा बेटा दूर कर दिया। दुनिया के इस झमेले में किसी को कुछ नही मिलता, मिलता है तो अकेलापन अपनों से दूरियाँ क्योंकि समय रहते आप कही आये गये नही, आपके रिश्ते भी सिर्फ कागजो तक ही सीमित रहे। हाँ पर आप को जो मिला उपहार अपनी इस करनी का वो है पैसा बस और कुछ नही। ये कलयुग है भाई यहाँ कोई किसी का नही है। पहले के लोग आज के लोगों से कम पढ़े लिखे होते हुए भी बहुत समझदार व्यवहारिक और आत्मिता से भरे होते थे। पैसे की भी कद्र करते थे और सबसे रिश्तें आदि भी निभाते थे। धर्म ध्यान और दान आदि भी करते थे जिससे समाज देश में उनका नाम होता था। परंतु आज कल ये सब खत्म हो गया है। इसलिए कहता हूँ की हम आप खो गए है दुनिया के मेले में जिसे अब खोज पाना बहुत ही मुश्किल है। मेरा लेख किसी की भी भावनाओं को ठेस पहुँचाने के लिए नही है। यदि ठेस लगे तो मुझे क्षमा कर देना नादान समझकर।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया कुण्डम विकासखंड के विद्यालयों का औचक निरीक्षण

कम उपस्थिति और अव्यवस्थाओं पर नाराजगी, शीघ्र सुधार के निर्देश

जबलपुर (खबर प्लेटफार्म)।

आज जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी द्वारा जिला जबलपुर के कुण्डम विकासखंड अंतर्गत विभिन्न शासकीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, स्वच्छता एवं शैक्षणिक-प्रशासनिक व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना रहा।

निरीक्षण के दौरान शासकीय बालक उमावि बघराजी में अनेक अव्यवस्थाएँ पाई गईं। विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति अत्यंत कम पाई गई। कक्षा कक्ष, स्टाफ रूम ,बच्चो में अनुशासनहीनता पायी गयी एवं विद्यालय परिसर में स्वच्छता का अभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। भौतिक शास्त्र एवं रसायन शास्त्र विषयों के पाठ्यक्रम अपूर्ण पाए गए। साथ ही कुछ विद्यार्थियों के पास भौतिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकें अब तक उपलब्ध नहीं पाई गईं। इस स्थिति पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी द्वारा विद्यालय के प्राचार्य को समस्त व्यवस्थाओं में शीघ्र सुधार करने तथा शैक्षणिक कार्यों को नियमित, सुचारु एवं प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए। विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ कर नोटिस जारी कर जवाब माँगा गया है। इसी क्रम में शासकीय कन्या उमावि बघराजी का भी निरीक्षण किया गया, जहाँ विद्यार्थियों की उपस्थिति अत्यंत कम पाई गई। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि अनुपस्थित विद्यार्थियों से निरंतर संपर्क कर उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने हेतु प्रेरित किया जाए। साथ ही

शिक्षकों को यह भी निर्देश दिए गए कि बच्चों को विषयवस्तु रटाने के बजाय विस्तारपूर्वक समझाया जाए तथा उन्हें स्वयं उत्तर लिखने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे उनकी समझ, अभिव्यक्ति एवं आत्मविश्वास का विकास हो सके।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी ने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, स्वच्छता एवं अनुशासन के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। भविष्य में पुन: निरीक्षण कर सुधार की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

बसंत पंचमी : उद्भव, परंपरा और शिक्षा के क्षेत्र में इसका महत्व

भारतीय संस्कृति में पर्व और उत्सव केवल आनंद के अवसर नहीं होते, बल्कि वे समाज को दिशा देने वाले विचार, मूल्य और परंपराओं के संवाहक भी होते हैं। बसंत पंचमी ऐसा ही एक पावन पर्व है, जो ज्ञान, विद्या, संस्कृति और नवचेतना से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह पर्व माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है और इसे ऋतुराज बसंत के आगमन का प्रतीक माना जाता है। पीले रंग, मधुर वातावरण और उल्लास के साथ यह पर्व विशेष रूप से शिक्षा और विद्या के क्षेत्र में अत्यंत महत्त्वपूर्ण माना जाता है।

बसंत पंचमी की शुरुआत और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि - बसंत पंचमी की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। वैदिक और पौराणिक साहित्य में इस पर्व के उल्लेख मिलते हैं। मान्यता है कि इसी दिन माँ सरस्वती का प्राकट्य हुआ था। ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की रचना के पश्चात जब चारों ओर मौन और नीरसता थी, तब माँ सरस्वती के प्राकट्य से वाणी, ज्ञान, संगीत और कला का प्रसार हुआ। तभी से बसंत पंचमी को ज्ञान और विद्या की देवी माँ सरस्वती की आराधना का विशेष दिन माना जाने लगा।

इतिहास में भी बसंत पंचमी का विशेष स्थान रहा है। प्राचीन गुरुकुल परंपरा में इस दिन अध्ययन-अध्यापन का विशेष आयोजन होता था। कई विद्वानों के अनुसार, मध्यकाल में भी यह पर्व शिक्षा संस्थानों और साहित्यिक सभाओं में बड़े उत्साह से मनाया जाता था। कवि सम्मेलन, शास्त्रार्थ और विद्या-सम्मेलन बसंत पंचमी के अवसर पर आयोजित किए जाते थे, जिससे ज्ञान के आदान-प्रदान की परंपरा सुदृढ़ होती थी।

बसंत पंचमी और शिक्षा का गहरा संबंध - बसंत पंचमी का सबसे गहरा और स्थायी संबंध शिक्षा से है। इसे विद्या आरंभ का श्रेष्ठ दिन माना जाता है। परंपरागत रूप से इस दिन विद्यारंभ संस्कार किया जाता है, जिसमें छोटे बच्चों को अक्षर ज्ञान की शुरुआत कराई जाती है। यह परंपरा दर्शाती है कि शिक्षा का प्रारंभ शुभ वातावरण, सकारात्मक सोच और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ होना चाहिए।

माँ सरस्वती ज्ञान, बुद्धि, विवेक, संगीत और कला की प्रतीक हैं। उनका श्वेत वस्त्र धारण करना पवित्रता और शांति का संकेत देता है, जबकि वीणा संतुलन, साधना और अनुशासन का प्रतीक है। यह संदेश देता है कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि उसमें संस्कार, नैतिकता और संतुलन का होना भी आवश्यक है।

शिक्षा में नवचेतना का प्रतीक - बसंत ऋतु को नवजीवन और सृजन का प्रतीक माना जाता है। जिस प्रकार बसंत के आगमन से प्रकृति में हरियाली, पुष्प और नई ऊर्जा का संचार होता है, उसी प्रकार शिक्षा मानव जीवन में चेतना, विचारशीलता और प्रगति का संचार करती है। बसंत पंचमी शिक्षा को नवाचार, सृजनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण से जोड़ती है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। बसंत पंचमी यह स्मरण कराती है कि शिक्षा समाज को अज्ञान, अंधविश्वास और कुप्रथाओं से मुक्त कर विवेकशील और उत्तरदायी नागरिक बनाती है।

आधुनिक शिक्षा और बसंत पंचमी का संदेश - वर्तमान युग में शिक्षा तकनीकी और व्यावसायिक होती जा रही है। डिजिटल शिक्षा, प्रतिस्पर्धा और अंकों की दौड़ के बीच बसंत पंचमी हमें यह याद दिलाती है कि शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञान, संस्कार और मानवता का विकास है। शिक्षक और विद्यार्थी दोनों के लिए यह पर्व आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है कि शिक्षा केवल सूचना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का माध्यम बने।

विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में बसंत पंचमी के अवसर पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम, सरस्वती पूजा और शैक्षणिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति श्रद्धा, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करती हैं।

निष्कर्ष - बसंत पंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि शिक्षा और संस्कृति का उत्सव है। यह ज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए समाज को सतत सीखने, सृजन और नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित करती है। एक शिक्षित, संस्कारित और विवेकशील समाज ही राष्ट्र की प्रगति का आधार बनता है। अत: बसंत पंचमी का संदेश है कि शिक्षा को जीवन का आधार बनाकर हम व्यक्तिगत और सामाजिक उन्नति की ओर अग्रसर हों।

लेखक : कृष्णकांत शर्मा, विधि अधिकारी
कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जबलपुर

जरा याद करो कुर्बानी...

तारीख 14 फरवरी 2019 गुरुवार का दिन दोपहर का समय। ये दिन इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है, जिसमें भारत ने एक साथ 40 वीर सपूतों को खोया था। इस आतंकी हमले में जबलपुर जिले के सिहोरा स्थित खुड़ावल गांव के निवासी सीआरपीएफ जवान अश्विनी कुमार काछी ने भी अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

जबलपुर (खबर प्लेटफार्म)।

आतंकी हमले की खबर के बाद पूरा देश गमगीन हो गया था। इधर शहर के लाल की मौत की खबर सुनते ही पूरे जबलपुर जिले में शोक की लहर फैल गई थी। इसी कड़ी में गणतंत्र दिवस से एक दिन पूर्व 'स्वतंत्र मत' द्वारा शहीद जवानी अश्विनी कुमार काछी के परिवार से उनका हालचाल जानने की कोशिश की गई। जहां पर हमारी मुलाकात शहीद अश्विनी काछी की माता कौशल्या बाई काछी से हुई।

जनप्रतिनिधियों ने किए थे बड़े-बड़े वादे

बलिदानी की माता कौशल्या बाई ने नम आंखो से बताया कि शहीद अश्विनी कुमार के अंतिम संस्कार के दौरान जनप्रतिनिधियों ने अश्विनी कुमार की प्रतिमा, स्कूल और पार्क बनाने के बड़े-बड़े वादे किए थे। जिसमें से आज तक केवल शहीद अश्विनी कुमार की प्रतिमा ही बन पाई, वो भी स्वंय परिवार के खर्चे से। अश्विन की प्रतिमा की स्थापना उनके परिवार ने अपने व्यय से करवाई थी। प्रतिमा निर्माण में साढ़े छह लाख रुपये व्यय हुए थे। स्वजनों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों से जब पार्क निर्माण व स्कूल के नामकरण की बात करते हैं तो वे कहते हैं कि एक करोड़ रुपये तो मिल गए। लिहाजा, सवाल उठता है कि क्या किसी जवान के बलिदान का मूल्यांकन रूपयों किया जाना चाहिये।

पुलवामा में शहीद हुए अश्विनी कुमार की माता के छलक पड़े आंसू

परिवार में सबसे छोटे थे अश्विनी

बलिदानी की माता कौशल्या बाई ने बताया कि अश्विनी कुमार सभी भाइयों में सबसे छोटे थे। इस प्रकार से वे हर किसी के लाड़ले थे। उनकी माता ने बताया कि अश्विनी कुमार उस वक्त 29 वर्ष के थे। जल्द ही परिवार वालों ने उनकी शादी करने की योजना भी बना रखी थी। लेकिन हाथ पीले होने से पहले ही अश्विनी कुमार काछी वीर गति को प्राप्त हो गए।

सेना के काफिले पर किया था हमला

जानकारी के मुताबिक आज से लगभग सात साल पहले 14 फरवरी 2019 को जम्मू-श्रीनगर के पुलवामा में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब 2500 जवानों का काफिला 78 बसों से जा रहा था। इसी दौरान तभी जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले में विस्फोटक ले जा रहे एक वाहन से टक्कर मार दी थी। इस हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। पुलवामा में हुए इस हमले के बाद भारत पाकिस्तान में काफी तनाव हो गया था।

वारदात से पहले पिस्टल, चाकू के साथ 2 बदमाश गिरफ्तार

जबलपुर। पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए अधारताल थाना क्षेत्र से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक देसी पिस्टल, एक कारतूस और एक बटनदार चाकू बरामद हुआ है। इस मामले में एडिशनल एसपी अंजना तिवारी ने बताया कि शुक्रवार देर रात पेट्रोलिंग के दौरान अधारताल तालाब के मुख्य गेट के पास दो युवक संदिग्ध अवस्था में खड़े थे। पुलिस को देखकर वे भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान शनि बर्मन 20 वर्ष, निवासी ग्राम बगौड़ी, चौकी बेलखाड़ू, थाना कटंगी और शनि चौधरी 23 वर्ष, निवासी ग्राम भर्रा, चौकी बेलखाड़ू, थाना कटंगी के रूप में बताई। तलाशी लेने पर, आरोपी शनि बर्मन की जैकेट की जेब से एक देशी पिस्टल मिली, जिसमें एक कारतूस लोड था।

देश जहर में डूब रहा है—इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी ने 'जीवन सत्याग्रह' का राष्ट्रीय ऐलान किया

पानी से दवा तक सब कुछ जहरीला, अब चुप रहना राष्ट्रीय अपराध है : डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी

रायपुर। इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी ने आज देशभर में फैल चुके पानी, हवा, भोजन, दवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के जहरीले संकट को लेकर कड़ा बयान जारी करते हुए 'जीवन सत्याग्रह–जहर नहीं, जीवन चाहिए' नामक राष्ट्रीय जनआंदोलन की घोषणा की। डॉ. तिवारी ने कहा कि भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ नागरिक धीरे-धीरे मारे जा रहे हैं, लेकिन इस पर न सरकारें बोल रही हैं, न मीडिया और न ही सिस्टम। उन्होंने कहा, हम जिस पानी को पीते हैं वह जहर है, जिस हवा में सांस लेते हैं वह जहरीली है, जो खाना खाते हैं वह बीमारी है, जो दवा लेते हैं वह व्यापार है और जो शिक्षा मिलती है वह बेरोजगारी पैदा कर रही है। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं–यह कॉरपोरेट-सरकार गठजोड़ द्वारा रची गई साजिश है।

हर नागरिक जहर की चपेट में

इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी के अनुसार देश की स्थिति बेहद गंभीर हो चुकी है- गाँव-गाँव और शहर-शहर में पीने का पानी नाइट्रेट, सीवेज और केमिकल से दूषित है। हवा पीएम 2.5 और जहरीले कणों से लोगों के फेफड़े नष्ट कर रही है।

भोजन कीटनाशक और मिलावट से भरा है

दवाइयाँ और अस्पताल जनता की बीमारी से मुनाफा कमा रहे हैं। स्कूल और शिक्षा व्यवस्था बेरोज़गारों की फैक्ट्री बन चुकी है। युवा नशे और अवसाद में धकेले जा रहे हैं। टैक्स जनता पर बोझ है और कॉरपोरेट पर मेहरबानी। न्याय पैसा और रसूख वालों के पक्ष में झुका हुआ है।

डॉ. तिवारी ने कहा, 'यह देश अब नागरिकों के जीवन की नहीं, बल्कि मुनाफाखोरों की सुविधा की व्यवस्था बन गया है। आम आदमी का शरीर इस सिस्टम की प्रयोगशाला बन चुका है।'

'जीवन सत्याग्रह' क्या है?

जीवन सत्याग्रह एक राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन है, जिसका लक्ष्य है – ज़हरीले पानी और हवा के खिलाफ संघर्ष। मिलावटी भोजन और नकली दवाओं का बहिष्कार। महंगे और भ्रष्ट स्वास्थ्य सिस्टम को चुनौती। बेरोज़गारी और नशे के खिलाफ अभियान। जनता को उसके जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार वापस दिलाना

डॉ. तिवारी ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी चुनाव के लिए नहीं, बल्कि जीवन बचाने के लिए है।

देशवासियों से सीधी अपील

डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी ने कहा, 'अगर आज हम नहीं बोले, तो कल हमारे बच्चे बीमार शरीर, कमजोर दिमाग और गुलाम भविष्य के साथ पैदा होंगे। अब हर नागरिक को पूछना होगा–मेरा पानी कब साफ होगा? मेरी हवा कब सुरक्षित होगी? मेरा बच्चा कब स्वस्थ रहेगा?'

उन्होंने चेतावनी दी कि जो इस ज़हर के खिलाफ नहीं बोलेगा, वह इस जहर फैलाने वाले सिस्टम का साथी होगा।इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल है, जिसकी स्थापना देश की आम जनता के अधिकार, सम्मान और न्याय की रक्षा के उद्देश्य से की गई है। पार्टी का मूल विचार यह है कि भारत की राजनीति पर अब तक कुछ गिनी-चुनी राजनीतिक और कॉरपोरेट ताक़तों का कब्जा रहा है, जबकि देश की असली मालिक जनता को हाशिए पर रखा गया है। इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी इसी अन्यायपूर्ण व्यवस्था को बदलने के लिए संघर्षरत है।

इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी की स्थापना 4 सितंबर 2022 को भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में की गई थी। इसके बाद 12 जुलाई 2023 को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पार्टी को आधिकारिक रूप से पंजीकृत किया गया, जिससे इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी को एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दल का दर्जा प्राप्त हुआ।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 और लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पार्टी को 'गुब्बारा' चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया, जिसके माध्यम से इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी जनता के बीच एक नई, ईमानदार और जनपक्षीय राजनीतिक शक्ति के रूप में सामने आई।

पार्टी का द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन जबलपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें देशभर से आए प्रतिनिधियों ने संगठन के विस्तार, जन-आंदोलनों और चुनावी रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की। इस अधिवेशन में यह स्पष्ट किया गया कि इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी का लक्ष्य केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि भारत की राजनीति को जनता के हाथों में वापस सौंपना है।

इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी का स्पष्ट उद्देश्य है

जनता को राजनीतिक व्यवस्था का मालिक बनाना, न कि कॉरपोरेट और भ्रष्ट ताकतों का गुलाम।

आज देश में कांग्रेस और भाजपा जैसी पार्टियाँ सत्ता की राजनीति में जनता को केवल वोट बैंक समझती हैं, जबकि इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी जनता को निर्णय लेने वाली शक्ति बनाना चाहती है। पार्टी मानती है कि लोकतंत्र तभी जीवित रहेगा जब शासन जनता के हित में और जनता के नियंत्रण में होगा।

इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी देश के नागरिकों से अपील करती है कि वे 'जनमत की आवाज बनें, इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी से जुड़ें और समाज को नया, ईमानदार व जनपक्षीय नेतृत्व दें।'

स्वच्छ जल अभियान के तहत अनिश्चितकालीन धरने के छठवें दिन ओबीसी विभाग ने मोर्चा संभाला

जबलपुर (खबर प्लेटफार्म)।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा के आव्हान पर नगर निगम के खिलाफ स्वच्छ जल क्रांति अभियान के तहत अनिश्चितकालीन धरना छठवें दिन ओबीसी विभाग शहर कांग्रेस अध्यक्ष पंकज पटेल मध्य प्रदेश प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग प्रदेश उपाध्यक्ष टीकाराम कोष्टा ने कहा कि ने कहा कि इंदौर में जो जहरीले पानी से घटना घटी है वह शासन प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है जबलपुर नगर निगम समय रहते हुए नाली नालों से गुजर रही टूटी पाइपलाइन का सुधार करें।

धरने में शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा पूर्व विधायक विनय सक्सेना प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) टीकाराम कोष्टा, शहर अध्यक्ष ओबीसी पंकज पटेल , प्रदेश कोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी , सेवादल अध्यक्ष सतीश तिवारी, सिद्धांत जैन, सुनील कुकरेले बृजेश दुबे, घनश्याम चक्रवर्ती ,रेखा झरिया सुशीला कनौजिया पूर्णिमा निगम अशोक यादव राजेंद्र राखी सराफ विवेक यादव शिवकुमार सोनी साहिल यादव सुरेंद्र यादव शिवकुमार चौबे अन्नपूर्णा दुबे श्याम सोलंकी बृजेश पटेल मोनू अग्रवाल कैलाश ठाकुर आरती ठाकुर आदि ने शहर में दूषित एवं जहरीले पानी सप्लाई किए जाने के आरोपों को लेकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि जबलपुर वासियो को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने महापौर आयुक्त शीघ्र ध्यान दें जिससे शहर वासियों को स्वच्छ जल के नाम पर जहरीले दूषित जल की सप्लाई रोकी जा सके!

डॉ.विनोद शर्मा की अध्यक्षता में त्रिवार्षिकीय चुनाव सम्पन्न

कोलकाता

ईआरएमसी चितपुर, शाखा-1 का त्रिवार्षिकीय चुनाव, विगत दिवस ईआरएमसी के अध्यक्ष व एनएफआईआर के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ.विनोद शर्मा जी की अध्यक्षता में पूर्व रेलवे, सियालदह मंडल के बागबाजार जल संयंत्र साभागर में सम्पन्न हुआ। रेल कर्मचारियों से खचाखच से भरे सभागार में केन्द्रीय पदाधिकारी श्री नारायण सिंह चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे। ईआरएमसी के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक काँजीलाल कार्यक्रम संयोजक थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में लिलुआ शाखा अध्यक्ष मनोज शर्मा

मंचासीन थे। कौशिक बैनर्जी को शाखा अध्यक्ष व अंतरा घोषाल को शाखा सचिव पद पर निर्वाचित घोषित किया गया, मौके पर पर्यवेक्षक द्वारा कार्यकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सह सचिव, उप सचिव, संगठन मंत्री व कोषाध्यक्ष पद के पदाधिकारियों के भी निर्वाचित होने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में सियालदह मंडल ईआरएमसी के लगभग सभी शाखाओं के पदाधिकारियों की उपस्थिति थी। कार्यक्रम का संचालन ए.पी.बाग ने किया।

शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने किया विद्यालयों का सतत निरीक्षण

जबलपुर (खबर प्लेटफार्म)।

जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने, शिक्षण व्यवस्था को प्रभावी बनाने एवं विद्यालयों में उपस्थिति तथा शैक्षणिक गतिविधियों की सतत समीक्षा के उद्देश्य से जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर श्री घनश्याम सोनी द्वारा लगातार विद्यालयों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सांदीपनि विद्यालय मेडिकल, पीएम श्री रानी दुर्गावती कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गंगा नगर (गढ़ा), शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चेरीताल तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तमरहाई, जबलपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सांदीपनि विद्यालय मेडिकल एवं पीएम श्री रानी दुर्गावती कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गंगा नगर में विद्यार्थियों की उपस्थिति संतोषजनक पाई गई। कक्षाओं का संचालन सुव्यवस्थित रूप से किया जा रहा था तथा शैक्षणिक वातावरण अनुशासित एवं सकारात्मक पाया गया। शिक्षण कार्य निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित हो रहा था।

वहीं दूसरी ओर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चेरीताल एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तमरहाई के निरीक्षण में विद्यार्थियों की उपस्थिति अत्यंत कम पाई गई। साथ ही यह भी पाया गया कि विद्यालयों में विद्यार्थियों को वर्गीकृत कर आवश्यकतानुसार सेक्शन का गठन नहीं किया गया है, जो शैक्षणिक गुणवत्ता एवं प्रभावी शिक्षण में बाधक है।

निरीक्षण के उपरांत जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संबंधित विद्यालय प्रबंधन को छात्रवृत्ति,ड्रॉपबॉक्स क कार्य समय सीमा में करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने, कक्षाओं का सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने, सेक्शन निर्माण कर शिक्षण व्यवस्था को सुधारने तथा शासन के निर्देशों का सख्ती से पालन करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा और भविष्य में पुन: निरीक्षण कर सुधारात्मक कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

तेज रफ्तार कार ने मचाया कोहराम

जबलपुर (खबर प्लेटफार्म)।

बेलबाग तिराहे के पास बीती देर रात एक तेज रफ्तार कार सड़क हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना में कार चालक समेत तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें मौके पर मौजूद लोगों की मदद से तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों की सटीक जानकारी जुटाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार दमोह नाका की ओर से तेज गति में आ रही थी। जैसे ही वाहन बेलबाग तिराहे पर पहुंचा, सड़क पर पड़ी एक बड़ी ईंट पर चढ़ गया। इससे कार का संतुलन बिगड़ गया और अनियंत्रित होकर पहले सड़क किनारे खड़ी एक स्प्लेंडर बाइक से टकराई, फिर पास लगे बिजली के खंभे से जा भिड़ी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए कार में फंसे तीनों घायलों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस की मदद से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। इधर घटना की सूचना मिलते ही बेलबाग पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित कर स्थिति को सामान्य बनाया। पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार अजय गुप्ता के नाम पर पंजीकृत है। बताया जा रहा है कि वे किसी आवश्यक कार्य से घर से निकले थे, तभी यह हादसा हुआ।

25 वर्षों का अनुभव
डॉ.जी.डी.अवधिया
दंत एवं मुख रोग विशेषज्ञ
बी.डी.एस.,एच.एस. आर्थोडोन्सिया (गवर्मेंट डेंटल कॉलेज,1987 बैच इंदौर)
अवधिया डेन्टल क्लीनिक
सिरेमिक एवं जिरकोनिया फिक्स दाँत टेढ़े-मेढ़े आगे निकले दाँतों का इलाज (प्रतिदिन)
फिक्स बत्तीसी एवं बत्तीसी की सुविधा रूट केनाल ट्रीटमेंट, डिजीटल एक्सरे
Time- Morning 10:30 to 9:00 PM
आर्थोडोन्टिक इमप्लांट सेंटर
CGHS,CSMA.,FCI., BSNL,SBI सुविधा उपलब्ध
पता-बी-10,श्याम आर्केड (श्याम टाकीज) मालवीय चौक,जबलपुर
फोन: 0761- 243839, मोबा.: 94251-52208,7987115564

MANGALAYATAN UNIVERSITY JABALPUR
LEARN TODAY TO LEAD TOMORROW
RANKS 14th
Among The New Age Emerging Private Universities 2025
by
Indian Institutional Ranking Framework (IIRF).

सरदार पटेल विधि महाविद्यालय
पिपरिया (खमरिया), कुंडम रोड, जबलपुर
मो. 0761-2997742, 9826342454, 9109530451 email : sardarpatellawcollege@gmail.com
बार काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त
सरदार पटेल विधि महाविद्यालय
पाठ्यक्रम :
एल एल.बी. योग्यता : स्नातक (3 वर्षीय पाठ्यक्रम)
बी ए.एल एल.बी. योग्यता : 12 वीं पास (5 वर्षीय पाठ्यक्रम)
एल एल.एम. योग्यता : एल एल. बी उत्तीर्ण (दो वर्षीय पाठ्यक्रम)
शहर की सर्वोत्तम अध्ययन हेतु उपयुक्त लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध
प्रीमियर (प्रा.) आई.टी.आई.
शासकीय अर्धशासकीय नौकरियों में ढेरों अवसर
NCVT & DGET
भारत सरकार से मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रीशियन
फिटर वेल्डर
योग्यता : 10 वीं पास
शहर की सर्वोत्तम वर्कशाप लेब, लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध
शासकीय अर्धशासकीय नौकरियों के लिये अनिवार्य
पाठ्यक्रम :
PGDCA योग्यता : स्नातक
DCA
BCA
B.Com (CA) योग्यता 12 वीं पास
प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन प्रारंभ
प्रवेश हेतु सम्पर्क करें :- 0761-2997742, 9826342454, 9109530451
नोट : SC/ST/OBC वर्गो हेतु शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति की सुविधा सभी कोर्सेस में उपलब्ध है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

77वें गणतंत्र दिवस की

प्रदेशवासियों को अनेक मंगलकामनाएं

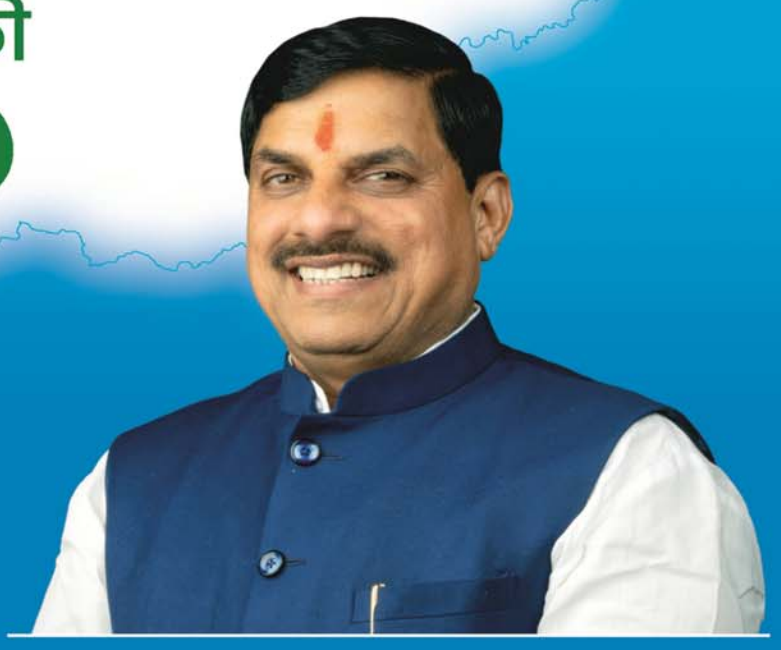

"भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज राष्ट्र के हर नागरिक के हृदय में देशभक्ति और देश के लिए गर्व का भाव सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नेतृत्व क्षमता के फलस्वरूप यह सब संभव हो पाया है। आज भारत वैश्विक शक्ति बनकर उभर रहा है।"

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश की उन्नति के मुख्य स्तंभ

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

अन्नदाता की समृद्धि से प्रगति की ओर मध्यप्रदेश

वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में घोषित किया गया है, इसका उद्देश्य अन्नदाता को समृद्ध और सशक्त बनाना है।

युवा शक्ति से राष्ट्र निर्माण

मध्यप्रदेश के युवा सक्षम और कौशलवान बनकर अपने सपनों को साकार करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

गरीब एवं जनजातीय वर्ग की तरक्की का संकल्प

गरीब और जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार और समस्त मूलभूत सुविधाओं के लिए हमारी सरकार संकल्पित है।

सशक्त नारी - सशक्त मध्यप्रदेश

नारी परिवार और समाज का दर्पण होती है। महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके पोषण, स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा एवं रोज़गार तक का ख्याल प्रदेश सरकार रख रही है।

अतुल्य विरासत से वैभवशाली मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत अद्भुत एवं समृद्ध है। यहां नैसर्गिक सुंदरता के साथ-साथ कला और संस्कृति भी बहुआयामी है।

औद्योगिक विकास का नया अध्याय

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास का एक उभरता केंद्र बन चुका है। गांवों को शहरों से जोड़ना हो या नए उद्योग स्थापित करने हों, प्रदेश आज चौतरफा विकास की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है।

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संजय सागर सेन द्वारा नेशनल टाईम्स पब्लिकेशन, 262 विकास नगर, कृषि उपज मंडी विजय नगर, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित। 737 गुप्ता कॉलोनी, गढ़ा फाटक, कस्तूरबा गांधी वार्ड, जबलपुर मप्र पिन कोड 482002 से प्रकाशित।
संपादक : संजय सागर सेन। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी, टाइटल कोड - एमपीएचआईएन 38088, समस्त प्रकरण जबलपुर न्यायालय के अंतर्गत) Email.sanjayssagar20@gmail.com मो. : 9425867695, 6232060720